

1448

1448

1. 448

ॐ नमः॥ रु ग व न वा स द वा य ॥ अरु न उ वा च ॥ रु न उ वा स द
 व. रु द हं पा प द रु रु. प सा दं कु दि न ना थं. क थं उ रु सि मा न व ॥ १ ॥
 श्री रु ग वा न उ वा च ॥ किं नु ना मं स रु (ह) स्य. वि रु ना य न रु पा थि व ना
 नि ना मा नि वा का मि. ने रु पा पे पु म च न ॥ २ ॥ पु थ म रु द त्रि वि द्या दि
 नि यं कं ण व रु थ. रु नि यं प द्म ना रु रु. च रु थं वा म रु रु न ॥ ३ ॥ प रं
 म र्वा द ग रु रु रु. ष ष मं म रु रु रु. स रु मं वा स रु रु रु. वा ना हं ना म
 वा रु मं ॥ ४ ॥ न व मं पू रु नि का रु. द ण मं व रु ना रु नं. रु रु मं का द ण
 ना मं. द्वा द णं णी व रु रु थ ॥ ५ ॥ रु ना नि द्वा द ण ना मा नि. वि रु रु

क्वा नि स र्व सं. स्व यं प नि प (०) रु रु. पू रु रु रु रु रु रु रु रु ॥ ६ ॥ वा न्द
 य नं स रु रु रु. क रु ना द नं स रु रु रु. अ रु रु रु रु रु रु रु रु. रा य रु रु रु
 स रु रु रु ॥ ७ ॥ रु रु रु रु रु रु रु रु रु. रु रु रु रु रु रु रु रु रु. पू रु रु रु
 रु रु रु रु रु रु रु. द्वा द रु रु रु रु रु रु रु रु रु. ८ ॥ स रु रु रु रु रु रु रु रु रु.
 पू रु रु रु रु रु रु रु रु रु. स र्व पा पे पु म च न. स र्व पा पे वि रु रु रु रु रु.
 वि रु रु रु रु रु रु रु रु रु ॥ ९ ॥ रु रु रु रु रु रु रु रु रु. द्वा द रु रु रु रु रु रु रु रु रु.
 रु रु रु रु रु रु रु रु रु ॥ १० ॥ ॐ नमः॥ रु ग व न वा स द वा य ॥ पु रु रु रु रु रु रु

ॐः सवगु या तु कौं शुभ ॥ १५ ॥ कवच वासुदेवस्य ॥ रुप ०
सि समि रसः ॥ नरस्य नके रुदा लिदः ॥ समुच्चाभि निव ॥
रु न ॥ १० ॥ विद्याधि नरु न विद्या ॥ अन्या थिल रु न धनः ॥ कन्या
थिल रु न कन्या ॥ भो क्ता धि न रु न गति ॥ १६ ॥ जपू गारु न पू
गाल ॥ नरा याल रु न मि यः ॥ काम थिल रु न कामः ॥ वि
ष्णु ला कौ स ग यु ति ॥ १५ ॥ जयू नान डरु म विंदः ॥ नाभी चान
नरु मरु ॥ नस्य नि स क न लो गः ॥ स त्रु शु न्य व द मि री ॥

॥ २० ॥ आदि आदू पति विष्णु ॥ १५ ॥ रु पानि मरु शु नः ॥
यचा नरु स्म न नि री ॥ व्याभि मरु वि री व रु रु स रु
२१ ॥ १० ॥ ति विष्णु री रु ल स मा र्कः ॥ नभी ना ना यनः ॥ व
सु क सु दि ॥ आ दि न वा स री ॥ न वि रु मि क रु रु स पू
न या रु ॥ सवगु ०२ ॥ सा हि नाम क रु न वा रु रु या



8441

1448

२७ शुविन कुपुस ता वा दा न॥ देवता ग॥ सतासतव॥ रुन नि
न कुपु॥ पनी त वा दा न॥ मन्त्र कुपु ग॥ किं सतव॥ कृति क
न कुपु॥ अग्नि कंद वा दा न॥ ता कुपु सता ग॥ धी न अतव॥ शा दि
नि न कुपु॥ कयी सा वा दा न॥ मन्त्र कुपु ग॥ विसतव॥ मग मि न न
कुपु॥ दना वा दा न॥ देवता ग॥ ता ग सतव॥ आ दा न कुपु॥ विवा दा
न॥ मन्त्र कुपु ग॥ विद्या अतव॥ पूज व शु न कुपु॥ देवता ग॥ श रि
अतव॥ यक न कुपु॥ पूज क र स वा दा न॥ देवता ग॥ धी न अतव॥ अ
शु वन कुपु॥ की व वा दा न॥ ता कुपु सता ग॥ श रि अतव॥ म द न कुपु॥
मै स वा दा न॥ ता कुपु सता ग॥ पू अतव॥ पू व हा ग नि न कुपु॥ शा दि वा

सा न॥ मन्त्र कृता न॥ सुभवे॥ इति ह्येवमकुरु॥ अथागवाहान॥
 मन्त्र कृता न॥ साभवे॥ इत्येवमकुरु॥ किञ्चिद्वाहान॥ देवता न॥ मन्त्र
 भवे॥ इति न कुरु॥ इति वावाहान॥ ताकृशता न॥ भूभवे॥
 ह्यपि न कुरु॥ देवाहान॥ देवता न॥ मन्त्र भवे॥ वीसाषन कुरु॥ रुस
 वाहान॥ ताकृशता न॥ वायभवे॥ त्रैलोक्या न कुरु॥ हासवाहान॥
 देवता न॥ यथासवे॥ इत्येवमकुरु॥ कायनेवाहान॥ ताकृशता न॥ यथा
 सवे॥ मलन कुरु॥ नवाहान॥ ताकृशता न॥ विद्याभवे॥ पर्वणा
 धन कुरु॥ वीचीनवाहान॥ मन्त्र कृता न॥ माकृशता न॥ इति वा
 धन कुरु॥ वावाहान॥ मन्त्र कृता न॥ साभवे॥ इत्येवमकुरु॥ अथा

ताव॥ देवता॥ मा क भव॥ मनसुन कृ॥ वा शाल वा ता न॥
 ता कसता॥ सिंह सत्व॥ पर्व र दु न कृ॥ कार्य वा ता न॥ मन
 कता॥ सिंह भव॥ इ प्र रुद्र न कृ॥ कार्य र वा ता न॥ मन कृ॥
 ते॥ सा भव॥ न व नि न कृ॥ च कु वा ता न॥ देवता॥ किं जी भव
 ७३ ह॥ या न ता क ह्या॥ या न ता ल॥ या न ता वि॥



ओष्वादि ३



आइयदि ३

आइयदि ३

कागुण॥दि ३



३ ३

३



आपव
श्रीवप
पपव
पपव
पपव



००००००००००



००००००००००

००००००००००



॥ ग ग ग ग ग ॥ लु वि कु त उ व उ त उ ति स व न त प गि ॥ न ॥ दे व ॥
॥ य ज्ञा ॥ गं ग दे व स ग न त सि ह दे व ह य त म सि ह दे व व
॥ ग ग ग ॥ १ ॥ र द्धि क न द ॥ ० ॥ क ह व मि ह दे व य न क न म ॥
सि ह दे व ॥ १ ॥ ह य गि ह त सि न य त आ य त उ ति ॥ व ताल मि
ह क व ल का म ॥ २ ॥ दे व म ल ॥ ग म त अ सा क म त दे व उ य गि ॥
म ल क त धि त ॥ ग स ॥ उ उ उ क म त ल य म त स द ल ह म त म ल व
द वि त ॥ ३ ॥ न का त क मा त धि क य त म दे व वि श्र म ल वि श्र व द्या त ॥
त श क म त न य नि त ना त श त स म उ ग ग ॥ गि ॥ न क व द्या त ॥ ४ ॥
न त स म त दे व ॥ म त म म ल ति न क ॥ ग द्धि ग व न दि ह य ज्ञा ॥ न
स ॥ उ उ न य व न उ ग त पु का स म ल ॥ य ॥ उ य ति ग मि उ ज्ञा त ॥ ५ ॥

उ ग त च द या क वि व द नि र्व सा द्वा त्रि म ॥ क उ त आ यि ॥ गि ह व
न ॥ न म य ॥ ल वि द्या व म ग न उ उ ट य उ ति ग यि ह त ॥ ६ ॥
१ ॥ ग वि त्र य ॥ य थ म दि स म त व ॥ ग न ग न ॥ दे व ह य व न ह त थ क ॥ १ ॥
क त रि त स ल द म त म नि ता ॥ व धि य स त स द न वा व द्या ॥ २ ॥ न दि शि स ॥ ग ॥
स वि ता य म म नि ॥ सि व ॥ अ ॥ ग द्या ॥ ३ ॥ व द नि त क उ त नि न म ल ग ॥
ग ह व न थ क त ह व न ह त ॥ ४ ॥ ग ता दि स ता व न म ॥ म त स व ॥ उ ग त पु
का स न य क व स क ग ॥ ५ ॥